30 अप्रैल 2026
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



मठिला नहर में युवक की लाश मिलने से सनसनी हत्या या हादसा, हर एंगल पर पुलिस की पैनी नजर 2

खबरें फटाफट

ओडिशा के कालाहांडी में भूकंप के तेज झटके

भुवनेश्वर। ओडिशा के कालाहांडी जिले में बुधवार शाम एक मध्यम तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसने आसपास के इलाकों में लोगों को कुछ देर के लिए दहशत में डाल दिया। यह भूकंप 29 अप्रैल 2026 को शाम करीब 7 बजकर 42 मिनट पर आया, जब लोग अपने रोजमर्रा के कामों में व्यस्त थे। भारत की आधिकारिक भूकंप निगरानी संस्था राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र कालाहांडी क्षेत्र में 19.729त उत्तर अक्षांश और 82.599त पूर्व देशांतर पर स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन के अंदर लगभग 24 किलोमीटर बताई गई है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में ह्लशैलो डेप्थह्व यानी कम गहराई वाला भूकंप कहा जाता है। ऐसे भूकंप आमतौर पर सतह के करीब होते हैं, इसलिए इनके झटके ज्यादा स्पष्ट और तेज महसूस होते हैं, खासकर केंद्र के आसपास के इलाकों में। जानकारी के मुताबिक, यह भूकंप पापड़ाहांडी से करीब 45 किलोमीटर दूर दर्ज किया गया। इस वजह से पापड़ाहांडी से लेकर धर्मगढ़ इलाके के बीच कुछ हिस्सों में भी लोगों ने झटके महसूस किए।

महाराष्ट्र में भीषण गर्मी का कहर! हीटस्ट्रोक के 39 मामले दर्ज

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में भीषण गर्मी का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखने लगा है। 1 मार्च से 20 अप्रैल 2026 के बीच जारी हेल्थ विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में हीटस्ट्रोक यानी लू के कुल 39 मामले सामने आए हैं, जबकि एक संदिग्ध मौत भी दर्ज की गई है। यहां बढ़ते ळीस्त्री१३४१ और चिलचिलाती धूप की वजह से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान महाराष्ट्र भर के अस्पतालों में कुल 3 लाख 34 हजार 468 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। हालिया के दिनों में ही हीटस्ट्रोक के 8 नए मामले सामने आए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने काशी विश्वनाथ में की पूजा, त्रिशूल लहराया

♦ 108 बटुकों ने शंखनाद किया, 14 किमी के रोड शो में फूल बरसाए, भाजपा कार्यकर्ता नाचते दिखे



एजेंसी / नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को काशी विश्वनाथ में दर्शन-पूजन करने पहुंचे. उन्होंने तय शेड्यूल के अनुसार गर्भगृह में लगभग 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की. इस दौरान पंच पुरोहितों ने उन्हें पूजा कराई. पुरोहितों वैदिक मंत्रों के साथ पीएम मोदी का पहले मंदिर परिसर में और फिर गर्भगृह में स्वागत किया. शुद्धिमंत्र के साथ शुद्धिकरण प्रक्रिया के साथ उन्हें भगवान विश्वनाथ की पूजा में बैठाया गया. इस दौरान पीएम मोदी की पूजा करते हुए भव्य तस्वीरें सामने आई हैं. पूजा के बाद जब वह बाहर आए तब भाजपा नेताओं ने उन्हें त्रिशूल और डमरू भेंट किया. इसके बाद पीएम मोदी ने त्रिशूल उठाकर हवा में लहराया. बता दें कि पीएम मोदी बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान के बीच वाराणसी में पहुंचे थे. उनके त्रिशूल उठाकर लहराने को अलग-अलग संकेतों के तौर पर देखा जा रहा है.पीएम मोदी जब मंदिर परिसर में दाखिल हुए तब पूरे मंदिर में वेदमंत्र गूंज रहे थे. इस दौरान कई पुजारी पंक्ति में खड़े होकर डमरू वादन कर रहे थे. जब वह मुख्य प्रवेश द्वार से अंदर की ओर प्रवेश कर रहे थे तब 108 बटुकों ने शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया. पीएम मोदी ने हाथ जोड़कर मंदिर के मुख्य द्वार से परिसर में प्रवेश किया और उन्होंने स्वागत क रने वाले पुजारियों का विशेष आभार भी जताया. इसके पहले पीएम 14 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए विश्वनाथ मंदिर पहुंचे थे. पीएम के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों पर डांस करते नजर आए. प्रधानमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया. कर अभिवादन किया. हालांकि, वह कहीं रुके नहीं. इसके बाद पीएम मोदी मुख्य मंदिर के गर्भगृह में पहुंचे और बाबा विश्वनाथ के ज्योतिर्लिंग के सामने बैठ गए. इस दौरान मंदिर के विशेष पुजारियों ने विधान के तहत पीएम मोदी के हाथ धुलवाए और पवित्रता मंत्र पढ़कर उन्हें अनुष्ठान के लिए संकल्प कराया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की ईरानी समकक्ष से फोन पर बात

एजेंसी / नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बात की है। दोनों नेताओं ने क्षेत्र के हालात पर चर्चा की है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शाम ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का फोन आया। हमने मौजूदा हालात के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। हम एक-दूसरे के साथ नजदीक से संपर्क में रहने पर सहमत हुए। यह बातचीत अराघची की मॉस्को यात्रा के दो दिन बाद हुई, जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ विस्तार से बातचीत की थी। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने कहा कि दोनों पक्षों ने युद्धविराम, द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े ताजा घटनाक्रम पर विचार साझा किए। बताया जा रहा है कि बातचीत में अमेरिका की ओर से ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर ईरान की पाबंदियों से पैदा हुई स्थिति पर भी चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री युद्ध खत्म कराने के कूटनीतिक प्रयासों के तहत ओमान और पाकिस्तान की यात्रा के बाद मॉस्को गए थे।

उत्तर 24 परगना में मतदान के बाद बवाल, भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प

बंगाल : दूसरे चरण में 92.01% मतदान, चुनाव बाद भी सीएपीएफ की 700 कंपनियां बंगाल में ही रहेंगी



एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आज 142 सीटों पर मतदान कराए गए। बंगाल की जनता ने कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच दूसरे चरण में 1,448 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद कर दी। कुछ जगहों से टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं की झड़प की खबरें भी आईं। शाम पांच बजे तक 89.99 फीसदी मतदान हुआ। अब अंतिम घंटे में कतार में लगे मतदाता मतदान कर रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से आंकड़े जारी किए जाने के बाद अंतिम मतदान प्रतिशत में बदलाव हो सकता है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण का मतदान खत्म होते ही उत्तर 24 परगना के अरबिंद रैल इलाके में भारी हिंसा भड़क गई। यहां बूथ नंबर 120 पर टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पत्थरबाजी हुई। इस झड़प में कई लोगों के घायल होने की खबर है। हिंसा की सूचना मिलते ही भारी संख्या में सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित

नोआपाड़ा में भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह का आरोप, बोले- काउंसलर के पति डाल रहे फर्जी वोट

नोआपाड़ा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने मतदान के अंतिम घंटों में गंभीर धांधली का आरोप लगाया है। अर्जुन सिंह के अनुसार, एक स्थानीय पार्षद के पति ने फर्जी तरीके से चार बूथों के कार्ड बनवा लिए हैं और वह जबरन मतदान केंद्रों में घुसकर वोट डाल रहा है। सिंह ने आरोप लगाया कि वहां मौजूद पीठासीन अधिकारी सब कुछ देखकर भी चुप हैं। उन्होंने इस मामले की शिकायत चुनाव आयोग से करने की बात कही है। भाजपा नेता ने दावा किया कि उनके समर्थकों को डराया जा रहा है ताकि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सके। पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद भी राज्य में सुरक्षा चाक-चौबंद रहेगी। चुनाव आयोग की तैनाती योजना के अनुसार, आज पोलिंग खत्म होने के बाद भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 700 कंपनियां राज्य में ही रुकी रहेंगी। ये कंपनियां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और कानून-व्यवस्था की ड्यूटी संभालेंगी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि अगले आदेश तक ये बल बंगाल में तैनात रहेंगे ताकि चुनावी नतीजों से पहले और बाद में किसी भी तरह की हिंसा या गड़बड़ी को रोका जा सके।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा: बोलीं-बंगाल में हार रही है भाजपा, हम बनाएंगे दो-तिहाई बहुमत से सरकार

मुख्यमंत्री और भवानीपुर से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने अपनी जीत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फेसबुक के जरिए दावा किया कि उनके पास मौजूद जानकारी के अनुसार भाजपा बंगाल में हार की कगार पर है। ममता बनर्जी ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में दो-तिहाई बहुमत के साथ फिर से अपनी सरकार बनाने जा रही है। मतदान के बीच आए मुख्यमंत्री के इस बयान ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। उन्होंने साफ कर दिया है कि बंगाल की जनता का भरोसा एक बार फिर टीएमसी के साथ है।

दिल्ली हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई में पॉर्न वीडियो चला : स्क्रीन पर दिखा हैक का मैसेज

एजेंसी /पटना

दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को वर्चुअल सुनवाई के दौरान अश्लील वीडियो चल गया। उस वक्त चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस खरिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। जानकारी के मुताबिक मामला दोपहर 12:56 बजे का है। जैसे ही पोर्न वीडियो चला, फौरन सुनवाई रोक दी गई। कुछ मिनट बाद सुनवाई दोबारा शुरू हुई, लेकिन फिर पोर्न वीडियो चलने लगा। मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस की क्लब्ड यूनिट को दी गई है। यह साफ नहीं हुआ है कि वारदात के वक्त बेंच किस मामले में सुनवाई कर रही थी।वर्चुअल सुनवाई के दौरान



कई लोग जुड़े हुए थे। इनमें एक क्षितिजीत सिंह थे। शुरूआती पूछताछ में क्षितिजीत ने दावा किया कि उसका अकाउंट अमेरिका से हैक किया गया और उसे वहीं से सुनवाई में जोड़ दिया गया। उसे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि सुनवाई के दौरान वह अश्लील वीडियो कैसे चला। क्षितिजीत का नाम पहले से सुनवाई में शामिल लोगों की लिस्ट में नहीं था। सुनवाई के दौरान वीडियो चलने के बाद 'आपका सिस्टम हैक हो गया हैह्व, का मैसेज भी स्क्रीन पर दिखाई दिया। दो बार पोर्न वीडियो चला और तीसरी बार म्यूजिक वीडियो चला। कोर्ट में 100 से ज्यादा जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी।

बंगलूरू में बारिश का कहर: अस्पताल की दीवार गिरने से सात लोगों की मौत, सीएम सिद्धारमैया ने किया मुआवजे का एलान

एजेंसी / नई दिल्ली

कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में बुधवार शाम हुई भारी बारिश और तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई है। शहर के शिवाजीनगर इलाके में स्थित बोवरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल की एक विशाल चारदीवारी अचानक ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम सात लोगों की जान चली गई है। मलबे के नीचे दबने से कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए तुरंत अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह है कि डॉक्टरों ने घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई है।हादसे की खबर मिलते ही प्रशासनिक अमला और बचाव टीमें मौके पर पहुंच गईं। शुरूआती जानकारी के अनुसार, मरने वालों में ज्यादातर सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी लगाने वाले दुकानदार और वहां से गुजर रहे राहगीर शामिल हैं। शाम के वक्त अचानक शुरू हुई तेज बारिश और हवाओं के कारण दीवार का ढांचा दबाव नहीं झेल सका और गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बारिश इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और मलबे को हटाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने प्रशासन को राहत कार्य तेज करने और प्रभावितों को हर संभव मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।





मठिला नहर में युवक की लाश मिलने से सनसनी हत्या या हादसा, हर एंगल पर पुलिस की पैनी नजर





- नहर के पइन में उतराया मिला 35 वर्षीय युवक का शव, नहीं हो सकी है शिनाख्त, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को किया सुरक्षित

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब बधार स्थित नहर के पईन में एक अज्ञात युवक का शव उतराया मिला। सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों की नजर जैसे ही शव पर पड़ी, इलाके में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही कोरानसराय थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। युवक ने लाल रंग की टी-शर्ट और काले रंग का लोवर पहन रखा था। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मौत करीब एक दिन पहले हुई होगी। हालांकि यह हत्या है, हादसा है या किसी अन्य वजह से मौत हुई है, इसे लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। विशेषज्ञ टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की। पुलिस नहर किनारे मिले हर छोटे-बड़े सुराग को खंगाल रही है, ताकि मौत की असली वजह सामने लाई जा सके। स्थानीय लोगों के बीच शव मिलने की घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं तेज हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में पहली बार इस तरह की घटना सामने आई है, जिससे लोग सहमे हुए हैं। कोरानसराय थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि शव की पहचान कराने के लिए आसपास के सभी थाना क्षेत्रों में सूचना भेजी गई है। पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी जाएगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की गहन जांच में जुटी है। फिलहाल पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा उसे पहचान के लिए सुरक्षित रखवाई है। बता दें कि पहचान के लिए पुलिस पोस्टमार्टम के बाद 72 घंटे तक शव सुरक्षित रखती है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिए। एसडीपीओ ने बताया कि शव की शिनाख्त के लिए आस पास के थानों में उसकी तस्वीर भेजी गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कई बिंदुओं पर गहराई से जांच की जा रही है।

डुमरांव में बेटी के ससुराल आए वृद्ध का नहर के चाट में मिला शव

- शौच के दौरान पैर फिसलने की जताई जा रही है आशंका, पुलिस ने पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंपा शव

केटी न्यूज/डुमरांव

अपनी बेटी के ससुराल आए एक वृद्ध की नहर के चाट में डूबने से मौत हो गई है। बुधवार को खिरौली गांव से पश्चिम डुमरांव रजवाहा के चाट में उसका शव उतराया मिला।

जब ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने पहचान का प्रयास शुरू किया। थोड़ी देर बाद उसकी शिनाख्त नवानगर थाना क्षेत्र के बिचली भरौली गांव निवासी 65 वर्षीय भोला भर के रूप में की गई।

मिली जानकारी के अनुसार उसकी बेटी ममता की शादी खिरौली गांव निवासी शिव प्रसाद राय के पुत्र बबलू राय से हुई थी। मृतक के नाती बिट्टू राय ने बताया कि नाना चार-पांच दिन पहले खिरौली आए थे। मंगलवार को करीब 11 बजे खाना खाने के बाद वे सिमरी थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर गांव जाने की बात का घर से निकले थे। संभवतः खिरौली से निकलने के बाद वे शौच के लिए नहर के चाट की तरफ गए थे। आशंका जताई जा रही है कि पैर फिसलने से वे नहर में औंधे मुंह जा गिरे होंगे तथा पानी में डूबने से मौत हो गई।

इधर नहर के चाट में वृद्ध का शव मिलने की खबर मिलने से खिरौली तथा आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वही शव की पहचान होने के बाद उसकी बेटी ममता तथा नाती-पोतों समेत पूरे परिवार का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवा उसे पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया है।

डुमरांव की प्रभारी थानाध्यक्ष अर्चना कुमारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को शव सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में यूडी केस दर्ज किया जा रहा है।





पत्नी से विवाद के बाद दो बच्चों के पिता ने फांसी लगा की ईहलीला समाप्त

केटी न्यूज/डुमरांव

पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली है। घटना मंगलवार की रात करीब 11 बजे डुमरांव थाना क्षेत्र के कुल्हवा गांव की है। पुलिस को बुधवार की सुबह इसकी जानकारी मिली। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान स्थानीय गांव निवासी स्व अलगू राम के 21 वर्षीय पुत्र बिरेंद्र राम के रूप में हुई है। बिरेंद्र दो बच्चों का पिता भी है। इस घटना से उसके बच्चे अनाथ हो गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर शाम उसका अपनी पत्नी पुनीता देवी से विवाद हो गया था, इसके बाद वह देर रात फांसी लगा आत्महत्या कर लिया। इधर उसकी पत्नी को लगा था कि विवाद के बाद वह आक्रोश में आकर अकेले सो गया होगा, लेकिन जब सुबह में भी वह बाहर नहीं निकला तो पत्नी को शक हुआ तथा जब देखी तो वह फंदे पर लटका था। इसके बाद पुनीता ने शोरगुल कर पड़ोसियों को घटना से अवगत कराया। ग्रामीणों ने ही इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डुमरांव पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को फंदे से उतार पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए भेजा। डुमरांव की प्रभारी थानाध्यक्ष अर्चना कुमारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया है। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में यूडी केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।



नगर निकाय कर्मियों में रोष और शोक की लहर अधिकारी की हत्या के विरोध में मौन श्रद्धांजलि

- बक्सर व चौसा नगर निकायों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की उठी मांग, कर्मचारियों ने जताई चिंता

केटी न्यूज/बक्सर

सुल्तानगंज नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी की हत्या की घटना को लेकर बुधवार को बक्सर जिले के नगर निकायों में गहरा आक्रोश और शोक का माहौल देखा गया। बक्सर नगर परिषद तथा चौसा नगर पंचायत के कर्मचारियों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बक्सर नगर परिषद परिसर में आयोजित शोक सभा में चौसा नगर पंचायत के स्वच्छता पदाधिकारी मो. अरसद हैदर नकवी की अध्यक्षता में कर्मियों और अधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतक अधिकारी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि जनसेवा से जुड़े अधिकारियों पर हमला लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रशासनिक तंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

कर्मचारियों ने कहा कि नगर निकायों में कार्यरत अधिकारी और कर्मी जनता के बीच रहकर विकास कार्यों को गति देते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। इस तरह की घटनाओं से कर्मचारियों में भय का वातावरण बनता है, जिसका असर विकास कार्यों पर भी पड़ सकता है।

सभा में वक्ताओं ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो सकती है। नगर निकाय कर्मियों ने प्रशासन से मांग की कि फील्ड में कार्य करने वाले अधिकारियों को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

शोक सभा के अंत में दिवंगत अधिकारी के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई और ईश्वर से उन्हें इस कठिन समय में संबल देने की प्रार्थना की गई। साथ ही घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की गई।

नगर निकाय कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा केवल एक विभाग का मुद्दा नहीं, बल्कि सुशासन और जनविश्वास से जुड़ा अहम विषय है, जिस पर गंभीरता से कदम उठाने की आवश्यकता है।



केसठ में बदला मौसम के मिजाज ,आंधी के साथ तेज बारिश ने बढ़ाई परेशानी



केटी न्यूज/केसठ

बुधवार की शाम प्रखंड क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। देर शाम तेज धूल भरी आंधी के साथ-साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई, जिसने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और चारों ओर अंधेरा सा माहौल बन गया।

आंधी और बारिश इतनी तेज थी कि सड़कों पर चल रहे राहगीरों को सुरक्षित स्थान तलाशना पड़ा। धूल के गुबार और मूसलाधार बारिश के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। ग्रामीण इलाकों में लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। अचानक आए इस मौसम परिवर्तन से बाजार में भी अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। दुकानदारों ने जल्दबाजी में अपनी दुकानें बंद कर दीं। हालांकि तेज बारिश के कारण लोगों को भीषण गर्मी से राहत जरूर मिली, लेकिन आंधी और बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया।







बक्सर में मौसम का यू- टर्न : तेज आंधी-बारिश से भीषण गर्मी से मिली राहत, कई

- तेज हवा में उखड़े पेड़, दुकानों के शेड क्षतिग्रस्त, ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित



केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार की शाम बक्सर सहित पूरे जिले में मौसम ने अचानक करवट ले ली। दिनभर की भीषण गर्मी और उमस के बाद शाम होते-होते तेज धूलभरी आंधी और मूसलाधार बारिश ने लोगों को राहत दी, लेकिन इसके साथ ही जनजीवन भी पूरी तरह प्रभावित हो गया। तेज हवा के कारण जिले के कई शहरी और ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार लिखे जाने तक कई जगहों पर बिजली बहाल नहीं हो सकी थी। मौसम का बदलाव दोपहर बाद से ही दिखाई देने लगा था। आसमान में बादल छाने लगे थे और हवा की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ रही थी। शाम करीब पांच बजे अचानक तेज धूलभरी आंधी शुरू हो गई। कुछ ही देर बाद मूसलाधार बारिश होने लगी। करीब आधे घंटे तक मौसम का रौद्र रूप बना रहा। तेज हवा और बारिश के कारण चारों ओर अंधेरा सा छा गया था, जिससे लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आंधी-बारिश के दौरान सड़क पर चल रहे दुपहिया वाहन चालक जहां-तहां सुरक्षित स्थान तलाशते नजर आए। कई लोग दुकानों, पेट्रोल पंपों और इमारतों के नीचे रुककर बारिश थमने का इंतजार करते दिखे। वहीं, चारपहिया वाहन चालक हेडलाइट जलाकर सावधानीपूर्वक वाहन चलाते नजर आए। तेज धूल और कम दृश्यता के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ। तेज हवा के कारण जिले के कई इलाकों में पेड़ उखड़कर गिर गए, जिससे ग्रामीण सड़कों पर आवागमन प्रभावित हुआ। कुछ जगहों पर पेड़ गिरने से बिजली तारों को भी नुकसान पहुंचा, जिसके कारण विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। कई गांवों में देर रात तक बिजली बहाल नहीं हो सकी थी। आंधी का सबसे ज्यादा असर फुटपाथी दुकानदारों पर पड़ा। दर्जनों दुकानों के शेड, तिरपाल और अस्थायी ढांचे तेज हवा में उड़ गए या क्षतिग्रस्त हो गए। इससे छोटे दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा तेज हवा और बारिश से आम के बागानों में भी नुकसान की खबर है। किसानों ने बताया कि आंधी के कारण बड़ी संख्या में आम के टिकोलों के टूटकर गिरने से फसल पर असर पड़ सकता है। हालांकि अचानक बदले मौसम ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत जरूर दी। पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से परेशान लोगों ने बारिश के बाद राहत की सांस ली। शाम के समय तापमान में गिरावट आने से मौसम सुहावना हो गया और लोग घरों से बाहर निकलकर ठंडी हवा का आनंद लेते दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि मौसम की इस करवट ने जहां राहत दी, वहीं नुकसान भी पहुंचाया है। प्रशासन की ओर से बिजली आपूर्ति बहाल करने और सड़कों से गिरे पेड़ों को हटाने का कार्य देर शाम तक जारी रहा।

एक नजर

चौसा के प्रमुख चौराहों पर सुविधाओं का अभाव महिलाओं व राहगीरों को रोजाना परेशानी

चौसा / नगर पंचायत चौसा के प्रमुख चौराहों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी अब लोगों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों दुर्गा मंदिर चौक, यादव मोड़ और अखौरीपुर गोला तिमुहानी जैसे स्थानों पर सार्वजनिक यूरिनल और सामुदायिक शौचालय की व्यवस्था नहीं होने से राहगीरों, दुकानदारों तथा स्थानीय लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बाजार, बैंक, विद्यालय और अन्य कार्यों के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद स्वच्छता और जनसुविधा से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाएं अब तक नहीं की जा सकी हैं। खासकर महिलाओं और छात्राओं को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। जरूरत पड़ने पर उन्हें असुविधाजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिससे शर्मिंदगी भी होती है। दुर्गा मंदिर चौक के आसपास बालिका उच्च विद्यालय तथा मध्य विद्यालय स्थित होने के कारण यहां छात्राओं की आवाजाही लगातार बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार आसपास के परिवार मानवीय आधार पर मदद करते हैं, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। सार्वजनिक शौचालय की अनुपलब्धता लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर प्रमुख चौराहों पर बढ़ते अतिक्रमण ने यातायात व्यवस्था को भी प्रभावित किया है। सड़क किनारे अस्थायी कब्जों के कारण रास्ते संकरे हो गए हैं, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को आवाजाही में परेशानी होती है। कुछ समय पूर्व अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई थी, लेकिन अभियान अधूरा रह जाने से समस्या फिर जस की तस हो गई। स्थानीय नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि प्रमुख चौक-चौराहों पर तत्काल सार्वजनिक यूरिनल, सामुदायिक शौचालय और पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही नियमित अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो नगर की छवि पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता रहेगा।

आंधी ने रोकी रेल रफ्तार: रघुनाथपुर स्टेशन पर ट्रैक पर गिरा पेड़, यातायात प्रभावित

ब्रह्मपुर / रघुनाथपुर स्थित रेलवे स्टेशन पर बुधवार शाम अचानक आए तेज आंधी-तूफान ने रेल परिचालन की रफ्तार थाम दी। तेज हवाओं के कारण स्टेशन के अप लाइन स्थित प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर एक बड़ा पेड़ गिर पड़ा, जिससे रेलवे ट्रैक बाधित हो गया और कुछ देर के लिए रेल यातायात प्रभावित रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय उसी लाइन पर एक मालगाड़ी पहले से खड़ी थी। तेज हवा के झोंकों के बीच पेड़ टूटकर सीधे ट्रैक और मालगाड़ी के पहियों के पास जा गिरा। पेड़ गिरते ही स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्रियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) तथा स्टेशन प्रशासन को दी।

सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद आरपीएफ जवानों ने घटनास्थल का जायजा लिया और सुरक्षा घेरा बनाकर लोगों को ट्रैक से दूर किया। इसके बाद पेड़ हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। रेलकर्मियों ने बताया कि पहले ट्रैक और मालगाड़ी की स्थिति की जांच की गई, ताकि किसी प्रकार की तकनीकी क्षति का आकलन किया जा सके। रेल प्रशासन को घटना की सूचना तत्काल भेज दी गई, जिसके बाद वरीय अधिकारियों ने भी स्थिति पर नजर रखी। अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता के आधार पर ट्रैक को जल्द साफ कर परिचालन सामान्य किया जा रहा है, ताकि अन्य ट्रेनों के आवागमन पर ज्यादा असर न पड़े।

इस बीच, तेज आंधी के कारण क्षेत्र में कई स्थानों पर पेड़ गिरने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की भी खबरें मिली हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि मौसम अचानक बदलने से जनजीवन कुछ देर के लिए प्रभावित हो गया।

रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और ट्रेनों की अद्यतन जानकारी के लिए रेलवे के आधिकारिक माध्यमों का उपयोग करें।

डीएम-एसपी ने की संयुक्त ब्रीफिंग, 1:30 बजे बंद होगा गेट

नीट-यूजी 2026 को लेकर बक्सर में हाई अलर्ट तीन परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा घेरे में होगी

- मोबाइल, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान पर रोक, स्टेशन-बस स्टैंड से लेकर सोशल मीडिया तक निगरानी



केटी न्यूज/बक्सर

नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को लेकर बक्सर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संचालन के लिए बुधवार को समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी साहिला और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य की संयुक्त अध्यक्षता में उच्चस्तरीय ब्रीफिंग आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

03 मई को आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के लिए बक्सर जिले में कुल तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अभ्यर्थियों के प्रवेश का समय सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने साफ किया है कि 1:30 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में किसी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा और केंद्रों का मुख्य गेट बंद कर दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए दोहरी फ्रिस्किंग व्यवस्था लागू की गई है। पहली जांच केंद्र परिसर में प्रवेश से पहले दंडाधिकारी, पुलिस अधिकारी और जवानों की मौजूदगी में होगी, जबकि दूसरी जांच गेट के भीतर निजी सुरक्षा कर्मियों और वीक्षकों द्वारा की जाएगी। इस दौरान हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर का उपयोग किया जाएगा, ताकि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या संदिग्ध सामग्री भीतर न जा सके। प्रशासन ने परीक्षा में नकल और फर्जी परीक्षार्थियों की एंट्री रोकने के लिए कड़े निर्देश दिए हैं। प्रत्येक 100 परीक्षार्थियों पर एक स्टैटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और महिला-पुरुष पुलिस बल की तैनाती की गई है। ये अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर लगातार निगरानी रखेंगे और कक्षवार वीक्षकों की तैनाती भी रैंडम तरीके से कराएंगे।

अभ्यर्थियों को मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन, माइक्रोफोन, हेल्थ बैंड, कैलकुलेटर, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव समेत किसी भी इलेक्ट्रॉनिक या अनधिकृत सामग्री को केंद्र के भीतर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने कहा है कि नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई होगी। परीक्षा के मद्देनजर होटल, लॉज और अन्य ठहराव स्थलों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि बाहरी अभ्यर्थियों के ठहरने वाले स्थानों पर सतत निगरानी रखें और किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की स्थिति में तत्काल छानबीन कर कार्रवाई करें। मॉडल थाना, मुफस्सिल थाना और इटाढ़ी थाना को इस संबंध में विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर भी प्रशासनिक तैनाती होगी। सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक बक्सर रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर दंडाधिकारी व पुलिस बल तैनात रहेंगे, ताकि बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो।

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रों के आसपास की फोटोस्टेट दुकानों को परीक्षा समाप्ति तक बंद कराया जाएगा, ताकि प्रश्नपत्र लीक या नकल की आशंका खत्म हो सके।

सोशल मीडिया पर अफवाह, फर्जी खबर या आपत्तिजनक पोस्ट पर भी प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। साइबर थाना, अनुमंडल प्रशासन और पुलिस अधिकारी व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग करेंगे। गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट किया गया है। सभी परीक्षा केंद्रों पर डॉक्टर, पर्याप्त दवाइयां और एम्बुलेंस की व्यवस्था रहेगी। वहीं बिजली विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला नियंत्रण कक्ष समाहरणालय परिसर स्थित आपदा शाखा भवन में कार्यरत रहेगा, जिसका दूरभाष नंबर 06183-223333 है। प्रशासन का संदेश साफ है—नीट परीक्षा में पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं होगा, और बक्सर में परीक्षा पूरी सख्ती, सुरक्षा और अनुशासन के साथ संपन्न कराई जाएगी।

कैमूर में हुए हादसे में देवढ़िया गांव के दो लोगों की मौके पर मौत



केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के देवढ़िया गांव में बुधवार सुबह उस समय मातम पसर गया, जब गांव के दो लोगों की सीमावर्ती कैमूर जिले में हुए सड़क हादसे में मौत की खबर पहुंची। हादसा कुढ़नी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामकलपुर पुल के समीप हुआ, जहां तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो व्यक्तियों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार कई फीट दूर उछलकर सड़क किनारे सूखी नहर में जा गिरे। घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के देवढ़िया गांव निवासी जगनारायण सिंह एवं धर्मराज राम के रूप में की गई है। बताया जाता है कि दोनों किसी आवश्यक कार्य से बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज गति की कार ने नियंत्रण खो दिया और उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुढ़नी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त वाहन की पहचान और चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। उधर, घटना की सूचना जैसे ही देवढ़िया गांव पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोगों ने बताया कि दोनों मृतक मिलनसार और मेहनती स्वभाव के थे, जिनकी अचानक मौत से हर कोई स्तब्ध है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और फरार कार चालक की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अरियांव हत्याकांड में बड़ा एक्शन: मुख्य आरोपी धनु उपाध्याय पुलिस रिमांड पर

- कोर्ट के आदेश के बाद जेल से थाने लाया गया आरोपी, श्वेता हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस



केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के चर्चित अरियांव हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी प्रवीण उपाध्याय उर्फ धनु उपाध्याय को पुलिस रिमांड पर लिया है। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद बुधवार को बक्सर केंद्रीय कारा से आरोपी को कृष्णाब्रह्म थाना लाया गया, जहां अब उससे गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान हत्या से जुड़े कई अहम राज खुल सकते हैं।

बताया जाता है कि अरियांव गांव निवासी राजेश उपाध्याय की 18 वर्षीय पुत्री श्वेता कुमारी की 24 अप्रैल की दोपहर घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना उस समय हुई जब हमलावरों ने दरवाजा खुलवाया और युवती को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी। वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी और परिवार में कोहराम मच गया था।

इस जघन्य हत्या को लेकर मृतका के परिजनों की शिकायत पर स्थानीय थाना में तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के बाद पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही थी। इसी दौरान मुख्य आरोपी के पिता को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

पुलिस दबाव बढ़ने पर मुख्य आरोपी प्रवीण उपाध्याय उर्फ धनु ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने केस के कई अनसुलझे सवालों के जवाब तलाशने और वारदात की साजिश, हथियार व अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाने के लिए आरोपी को रिमांड पर लेने की अर्जी दाखिल की थी।

कोर्ट से स्वीकृति मिलने के बाद अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, जांच टीम घटना के पीछे की वजह, पूर्व विवाद, हमले की प्लानिंग और वारदात में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी है।

कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुख्य आरोपी को थाना लाया गया है और नियमानुसार पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरियाव हत्याकांड में मुख्य आरोपी के रिमांड पर आने से अब पीड़ित परिवार और ग्रामीणों को उम्मीद जगी है कि श्वेता कुमारी को जल्द न्याय मिलेगा और पूरे मामले का सच सामने आएगा।

नाकेबंदी में पुलिस की बड़ी कामयाबी: स्कॉर्पियो से 624 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

- अंधेरे का फायदा उठाकर एक तस्कर फरार, यूपी से बक्सर लाई जा रही थी खेपअंधेरे का फायदा उठाकर एक तस्कर फरार, यूपी से बक्सर लाई जा रही थी खेप



केटी न्यूज/चौसा

बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में शराब तस्करों के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अखौरीपुर गोला स्थित तिमुहानी के पास वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने एक स्कॉर्पियो से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश की ओर से देवल-बनारपुर मार्ग होते हुए काले रंग की स्कॉर्पियो में शराब की बड़ी खेप बिहार लाई जा रही है। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस हरकत में आ गई और तिमुहानी के समीप नाकेबंदी कर सघन वाहन जांच शुरू कर दी गई।

जांच के दौरान संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक पुलिस को देखकर घबरा गया और वाहन को मुख्य सड़क छोड़ कच्चे रास्ते की ओर मोड़कर भागने लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने सशस्त्र बल के साथ उसका पीछा शुरू किया। कुछ दूरी पर संकरी गली में स्कॉर्पियो फंस गई, जिसके बाद उसमें सवार दो लोग उतरकर भागने लगे।

पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया, जबकि दूसरा अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कोरानसराय थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव निवासी सुनील कुमार यादव के रूप में हुई है।

थाने लाकर जब वाहन की तलाशी ली गई तो पुलिस भी बरामद शराब की मात्रा देखकर हैरान रह गई। स्कॉर्पियो से 8 पीएम ब्रांड की 180 एमएल वाली 65 कार्टन में कुल 3120 बोतल, यानी 561.6 लीटर शराब बरामद हुई। इसके अलावा रॉयल स्टेज ब्रांड की 750 एमएल वाली 7 कार्टन में 84 बोतल, यानी 63 लीटर शराब भी जब्त की गई। कुल मिलाकर वाहन से 624.6 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई है।

पुलिस ने स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि फरार तस्कर की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों से शराब तस्करी का नेटवर्क लगातार सक्रिय है, लेकिन पुलिस की इस कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने साफ किया है कि शराब तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जेके सीमेंट पर सरकारी चेक डैम तोड़ने का आरोप, जल संकट से भड़का ग्रामीणों का आक्रोश

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड के कांट गांव स्थित जेके सीमेंट फैक्ट्री एक बार फिर विवादों में घिर गई है। फैक्ट्री प्रबंधन पर सरकारी चेक डैमों को तोड़ने, जल स्रोतों को नुकसान पहुंचाने और पर्यावरणीय संतुलन बिगाड़ने के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि फैक्ट्री ने सफाई अभियान के नाम पर दो महत्वपूर्ण जल संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया, जिससे इलाके में सिंचाई और पेयजल संकट गहराने लगा है।

ग्रामीणों के अनुसार पहला चेक डैम भोजपुर और बक्सर जिले की सीमा पर बहने वाली नदी पर बना था, जिसे भोजपुर भूमि संरक्षण विभाग ने तैयार कराया था। यह डैम आसपास के सैकड़ों किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख साधन माना जाता था। दूसरा चेक डैम बक्सर जिले की सीमा में स्थित था, जिससे खेती के अलावा पशुओं के लिए भी सालभर पानी उपलब्ध रहता था। दोनों संरचनाओं के टूटने से किसानों और पशुपालकों की परेशानी बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने बिना प्रशासनिक अनुमति और बिना किसी तकनीकी स्वीकृति के जेसीबी मशीन लगाकर इन डैमों को हटाया। इससे न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा, बल्कि नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर भी असर पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में अब जल संचयन की व्यवस्था कमजोर हो जाएगी, जिससे भूजल स्तर पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है।

इस पूरे मामले को लेकर पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता शैलेश ओझा ने एक माह पूर्व जिलाधिकारी को लिखित शिकायत सौंपी थी। आरोप है कि शिकायत के बावजूद अब तक न तो स्थल जांच कराई गई और न ही जिम्मेदार पक्ष के खिलाफ कोई प्रशासनिक कार्रवाई हुई। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। शैलेश ओझा ने कहा कि यदि औद्योगिक इकाइयों को सरकारी जल संरचनाएं तोड़ने की खुली छूट मिल जाएगी, तो आने वाले समय में किसानों की आजीविका और पर्यावरण दोनों पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण की सरकारी योजनाएं तभी सफल होंगी, जब ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होगी।

बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खेती के साथ-साथ अब स्वरोजगार की ओर बढ़ रहे केसठ के कदम



पीके बादल/केसठ

समय के पहिए के साथ गांवों की सूरत अब तेजी से बदल रही है। कभी पूरी तरह खेती और परदेश की नौकरियों पर निर्भर रहने वाला गांव अब आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहा है। प्रखंड के केसठ नया बाजार और आस-पास के ग्रामीण इलाकों में बढ़ती महंगाई और गरीबी के बीच लोगों ने स्वरोजगार को ही अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है।

बाजार में बढ़ी रौनक, स्वरोजगार से लड़ रहे महंगाई की जंग : बदलती जीवनशैली का असर अब केसठ की सड़कों पर साफ दिखने लगा है। नया बाजार अब केवल एक चौक-चौराहों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ ठेले और छोटी दुकानों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। लोग अब दूसरों के आगे हाथ फैलाने या पलायन करने के बजाय अपने गांव में ही चाय, समोसा और चना-चाट जैसे छोटे-छोटे स्टॉल लगाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं।

गली-गली में खुल रही है दुकानें

बदलाव की यह बयार सिर्फ मुख्य बाजार तक सीमित नहीं है। अब गांव की गलियों के अंदर भी कपड़े, श्रृंगार और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानें खुल गई हैं। महिलाओं और युवाओं ने अपने घरों के बरामदों को ही रोजगार का जरिया बना लिया है।

पलायन पर लगाम और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे है लोग

स्थानीय लोगों का कहना है कि बढ़ती महंगाई ने जीवन यापन मुश्किल कर दिया है, लेकिन छोटे-छोटे रोजगार ने एक उम्मीद जगाई है। जो लोग पहले काम की तलाश में गैर-राज्यों की ओर रुख करते थे, उनमें से कई अब अपने घर पर ही छोटी पूंजी से व्यापार कर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।गांव अब शहर की तर्ज पर विकसित हो रहा है। लोगों की जरूरतें बढ़ी हैं, तो उन जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं।गांव का शहर की ओर बढ़ना केवल बुनियादी ढाँचे का विकास नहीं, बल्कि ग्रामीण सोच और आजीविका के तरीकों में आया एक बड़ा सकारात्मक बदलाव है।

सम्राट कैबिनेट का बड़ा फैसला : 10 हजार दारोगा बहाली का रास्ता साफ, कॉलेजों में 9152 पद सृजित

एजेंसी /पटना

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 63 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिनमें बिहार पुलिस में दारोगा (एसआई) के 20,937 पदों पर बहाली और प्रोन्नति का रास्ता साफ होना प्रमुख है। सरकार ने बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए इन पदों का सृजन किया था। अब इनमें से 50 फीसदी पद पदोन्नति और 50 फीसदी पद सीधी नियुक्ति से भरे जाएंगे। यानी 10,469 पदों पर सीधी बहाली होगी, जबकि 10,468 पदों पर एएसआई से एसआई के पद पर प्रोन्नति दी जाएगी। नई सरकार के गठन के बाद कैबिनेट की दूसरी बैठक आज बुधवार को बुलाई गई। इससे पहले 22 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने कैबिनेट की पहली मीटिंग बुलाई थी, जिसमें कुल 22 एजेंडों पर मुहर लगी थी। आज की सम्राट कैबिनेट की बैठक में भी कई अहम एजेंडो पर मुहर लगी है। बैठक में दोनों डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और



बिजेन्द्र यादव मौजूद रहे। बता दें कि बीते 22 अप्रैल को जब पहली कैबिनेट की बैठक हुई थी, तब कुल 22 एजेंडों पर मुहर लगी थी। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण फैसला बिहार में 11 जगहों पर टाउनशिप विकसित करने का था। आज हुई कैबिनेट की मीटिंग में कुल 64 एजेंडों पर मुहर लगी है। बिहार पुलिस में सीधी नियुक्ति पर अवर निरीक्षक एवं समकक्ष के सृजित 20937 पदों में से 50 फीसदी पद प्रोन्नति से भरने का निर्णय लिया गया है। बेतिया राज की संपत्ति को निहित करने वाली नियमावली 2026 को स्वीकृति दी गई है। राजकीय अतिथि शाला के अधीक्षक कृष्ण कुमार यादव की सेवा को 1 वर्ष के लिए सेवा विस्तारित की गई है। कैबिनेट की बैठक के बाद विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद चौधरी ने बताया कि राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके अलावा भागलपुर, मुजफ्फरपुर, बिहारशरीफ (नालंदा) और गया जैसे शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए यातायात पुलिस के 485 नए पद सृजित किए गए हैं। साथ ही पहले से सृजित 1,606 पदों को भी कर्णांकित किया गया है। शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के 208 प्रखंडों में खुलने वाले डिग्री कॉलेजों के लिए प्रति कॉलेज 44 पदों के हिसाब से कुल 9,152 पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। साथ ही इन कॉलेजों के जीर्णोद्धार के लिए प्रति कॉलेज 50 लाख रुपये, यानी कुल 104 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वही ऊर्जा क्षेत्र में भी राहत देते हुए मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत 23,165 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इससे अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिलती रहेगी।कैबिनेट के इन फैसलों से जहां रोजगार के नए अवसर खुलेंगे, वहीं कानून-व्यवस्था, शिक्षा और बिजली व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। बिहार के चार शहरों भागलपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार शरीफ एवं गया जी के लिए यातायात पुलिस के विभिन्न कोटि में 485 पदों के सृजन एवं पूर्व से सृजित कुल 1606 पदों को कर्णांकित करने का निर्णय लिया गया है।पटना के सदर अंचल की विभिन्न खेसरा की कुल दो एक-ड़ से ज्यादा भूमि को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की स्थापना के लिए 10 की टोकन सलामी भुगतान पर लीज नवीनीकरण विकल्प के साथ 30 वर्षीय लीज पर निफ्ट को बंदोबस्त किया गया है। पटना में साइबर अपराध इकाई एवं विशेष शाखा के लिए भवन एवं आधारभूत संरचना निर्माण के लिए 51 करोड़ 19 लाख 84 हजार 600रु की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। वित्त विभाग में साइबर कोषागार के गठन एवं इसके संचालन के लिए 23 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। बिहार आकस्मिकता निधि के स्थाई, कार्य जो 350 करोड रुपए है,उसे वित्तीय वर्ष 2026-27 में 13900 करोड रुपए किया गया है। बक्सर आरा मनेर गंगा पथ जिसकी लंबाई 90 किलोमीटर है, को पीपीपी मोड पर बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के माध्यम से क्रियान्वित करने एवं डीपीआर, परामर्शी एवं ट्रांजैक्शन एडवाइजर की सेवा प्राप्त करने के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने अपनी स्वीकृति दी है। पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान का नाम बदल दिया गया है । अब यह पटना जू के नाम से जाना जाएगा । कैबिनेट ने इस प्रस्ताव की स्वीकृति दे दी है। इस उद्यान के संचालन के लिए गठित संजय गांधी जैविक उद्यान प्रबंधन एवं विकास समिति का नामकरण पटना जू प्रबंधन एवं विकास समिति होगा। AIIMS पटना एवं अन्य मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रोगियों के परिजन के लिए सीएसआर फंड से विश्राम गृह की स्थापना की जाएगी। भागलपुर के पीरपैंती में स्थापित होने वाले थर्मल पावर परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि के लीज दस्तावेज के निबंधन पर लगने वाले स्टांप एवं निबंधन शुल्क को शत प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है। भागलपुर के पीरपैंती में स्थापित होने वाले थर्मल पावर परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि के लीज दस्तावेज के निबंधन पर लगने वाले स्टांप एवं निबंधन शुल्क को शत प्रतिशत छूट देने का निर्णय लिया गया है।

एक नजर

विद्यालय में सखी सहायता डेस्क के एनीमिया जांच शिविर का आयोजन

कराकाट। कराकाट प्रखंड के सिकरियां स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को बालिकाओं के समग्र स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत 'सखी सहायता डेस्क' द्वारा निःशुल्क एनीमिया जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रांजल मिश्रा, फार्मासिस्ट श्याम प्रकाश ब्रह्मचारी और विद्यालय प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद छात्राओं को एनीमिया जांच कराई गई तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, नियमित जांच और परामर्श के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ने बताया कि बिहार शिक्षा परियोजना के तहत संचालित 'सखी सहायता डेस्क' का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को शारीरिक विकास, स्वास्थ्य समस्याओं और स्वच्छता से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्रदान करना है। चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रांजल मिश्रा ने एनीमिया को गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि यह हीमोग्लोबिन की कमी से होता है, जिससे थकान, कमजोरी, चक्कर और सांस फूलना जैसी परेशानियां उत्पन्न होती हैं। शिक्षिका काजल कुमारी ने डेस्क की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे छात्राओं को माहवारी स्वच्छता, पोषण, व्यक्तिगत देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता है। शिविर में स्वास्थ्य कर्मी व विद्यालय शिक्षक प्रेम प्रकाश प्रभात, संदीप कुमार, मो. सुजाउद्दीन अंसारी,रवि कुमार मिश्रा व आकाक्षा सिंह उपस्थित रहे।

विद्यालय का ताला तोड़ चोरों ने उड़ाया लाखों का समान

कराकाट। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कछवां थाना क्षेत्र के ग्राम अमौना स्थित मध्य विद्यालय में कंप्यूटर कक्ष का ताला तोड़कर नौ कंप्यूटर सेट चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए सभी कंप्यूटर सेट बरामद कर लिए । इस मामले में पुलिस ने तीन नाबालिगों को हिरासत में लेकर विधि सम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है । जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल की रात अज्ञात लोगों ने विद्यालय के कंप्यूटर कक्ष का ताला तोड़कर अंदर रखे कुल नौ कंप्यूटर सेट चोरी कर लिए थे । घटना की जानकारी 28 अप्रैल की सुबह उस समय हुई,जब विद्यालय के शिक्षक कक्षा संचालन के लिए आवश्यक कागजात लेने कंप्यूटर कक्ष पहुंचे । शिक्षक ने देखा कि कक्ष का ताला टूटा हुआ दरवाजे की कुंडी में लटका है । इसके बाद उन्होंने तत्काल प्रधानाध्यापक (एचएम) एवं अन्य शिक्षकों को इसकी सूचना दी ।प्रधानाध्यापक सुशील कुमार गुप्ता जब अन्य शिक्षकों के साथ कंप्यूटर कक्ष में पहुंचे तो वहां रखे सभी नौ कंप्यूटर सेट गायब पाए गए । विद्यालय प्रबंधन ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की,लेकिन कोई सफलता नहीं मिलने पर 28 अप्रैल को कछवां थाना में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए लिखित आवेदन दिया गया ।थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि आवेदन दोपहर करीब दो बजे के बीच प्राप्त हुआ,जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की ।

बिरसा मुंडा छात्रावास के लिए हुआ भूमि पूजन

तिलौथू। प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा और सामाजिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ग्राम कोडर में भगवान बिरसा मुंडा छात्रावास निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। आयोजन वनवासी कल्याण आश्रम,बिहार के तत्वावधान में स्व.चक्रपाणि मिश्रा की स्मृति में आयोजित किया गया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए तिलौथू निवासी रिशु मिश्रा ने 10 डिसमिल भूमि दान कर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न हुआ,जिसमें भूमि दाता परिवार ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की शुभ शुरूआत की। कार्यक्रम में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के मार्गदर्शक सोमयाजुलू ने कहा कि यह छात्रावास जनजातीय एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा का मजबूत आधार बनेगा और उनके उज्ज्वल भविष्य की राह प्रशस्त करेगा।

रजौली में हाउसलिस्टिंग होगी 2 मई से शुरू, 320 प्रगणक करेंगे काउंटिंग



- 35 पर्यवेक्षक हुई नियुक्त
- 31मई होगी अंतिम तिथि

केटी न्यूज/नवादा

सूचीकरण कार्य रजौली प्रखंड में 2 मई से शुरू होगा। यह कार्य 31 मई तक चलेगा। जिसके लिए 320 प्रगणक और 35 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। इसी क्रम में बुधवार को रजौली प्रखंड सभागार में सभी 35 पर्यवेक्षकों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चार्ज अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी ने की, जिसमें सभी पर्यवेक्षकों को मकान सूचीकरण कार्य के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। चार्ज अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी पर्यवेक्षक अपने आवंटित क्षेत्र में प्रगणकों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उन्हें क्षेत्र का भ्रमण कर मैप के अनुसार चौहद्दी की जांच करने को कहा गया। यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि कोई भी परिवार गणना से छूटे नहीं और न ही किसी परिवार की दोहरी गणना हो। उन्होंने पर्यवेक्षकों से अपने क्षेत्र में प्रगणकों के कार्य में पूरा सहयोग करने को कहा। किसी भी कठिनाई की स्थिति में तुरंत चार्ज अधिकारी को सूचित करने के निर्देश दिए गए, ताकि समय पर समाधान किया जा सके। चार्ज अधिकारी ने जनगणना को राष्ट्र का महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी। उन्होंने सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया, क्योंकि सही आंकड़े ही विकास योजनाओं का आधार बनते हैं। बैठक में प्रखंड पर्यवेक्षक वीरेंद्र कुमार, अरविंद कुमार, संजय कुमार, राजीव कुमार, सदानंद प्रसाद, ओंकार कुमार सहित सभी 35 पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। सभी ने मकान सूचीकरण कार्य को त्रुटिरहित और समय पर पूरा करने का आश्वासन दिया।

बुनियाद केंद्र में वृद्धजनों के बीच निःशुल्क चश्मा का हुआ वितरण



केटी न्यूज/नवादा

रजौली समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बुनियाद केंद्र रजौली में बुधवार को दर्जनों वृद्धजनों के बीच सीनियर फिजियोथैरेपी गौरव कुमार ने चश्मा वितरण किया। इस दौरान चश्मा पाए लाभार्थियों में काफी खुशी देखी गई। सीनियर फिजियोथैरेपी ने बताया की समाज कल्याण विभाग बिहार सरकार द्वारा संचालित बुनियाद केंद्र में फिजियोथेरेपी सहित कई अन्य सेवाएं बिलकुल मुफ्त प्रदान की जाती है। जिसके लिए लाभार्थियों का यूडीआईडी कार्ड होना अनिवार्य है। उन्होंने सेवाओं के लाभ लेने के लिए लोगों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लोगों को आवेदन करने का अपील किया। साथ ही मुफ्त सेवा लाभ लेने के लिए जोर दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपने गाँव घर सहित अन्य लोगों के बीच इसकी जानकारी साझा करने की अपील किया है। उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा की बुनियाद केंद्र द्वारा पंजीकृत दिव्यांग लाभार्थियों के बीच कृत्रिम अंग और विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों का वितरण समयनुसार किया जाता है। दिव्यांगजनों को बीना किसी शारीरिक श्रम और दूसरों पर निर्भर रहे लम्बी दूरी तय करने के लिए बैट्री और हस्तचालित ट्राई साईकिल सहित श्रवण यंत्र आदि वितरण की भी जानकारी दिया।

जिला सदर अस्पताल में निजी एंबुलेंस की उपयोग पर होगी कार्रवाई

केटी न्यूज/नवादा

जिला सदर अस्पताल में अब निजी एंबुलेंसों की अवैध गतिविधियों एवं मरीजों को गुमराह करने की प्राप्त शिकायतों के आलोक में नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निदेशानुसार 28 अप्रैल को अमित अनुराग, अनुमण्डल पदाधिकारी सदर एवं नवीन कुमार पाण्डेय, जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में अस्पताल परिसर में एक निजी एंबुलेंस वाहन (संख्या-इफ0३ ढअ 5162) खड़ी पायी गई, जिस पर 2500 रुपये (नो पार्किंग) का जुमार्ना लगाया गया तथा प्राथमिकी दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त, सदर अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर सड़क किनारे दो अन्य निजी एंबुलेंस खड़ी पाई गईं, जिनमें वाहन संख्या इफ0क्कर 0239 पर पॉल्यूशन फेल रहने के कारण 2000 रुपये तथा वाहन संख्या इफ0क्कड 5334 पर फिटनेस फेल रहने के कारण 5000



रुपये का जुमार्ना लगाया गया। पूछताछ के दौरान संबंधित चालकों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि उक्त निजी एंबुलेंस द्वारा मरीजों एवं उनके अभिभावकों को गुमराह कर उन्हें सरकारी सुविधाओं से वंचित करते हुए निजी अस्पतालों की ओर ले जाया जाता है।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि अस्पताल परिसर में 12 सरकारी एंबुलेंस खड़ी थीं, किन्तु किसी भी वाहन पर न तो चालक उपस्थित थे और न ही एटळ (इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) टीम के सदस्य मौजूद थे। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए अपने कार्यस्थल से अनुपस्थित सभी एंबुलेंस चालक एवं एटळ कर्मियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने हेतु जिला परियोजना प्रबंधक, सदर अस्पताल, नवादा को निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मरीजों की सुविधा एवं सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा अवैध गतिविधियों एवं कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला कल्याण पदाधिकारी ने नेतृत्व में समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

केटी न्यूज /आरा

जिला कल्याण पदाधिकारी की अध्यक्षता में सभी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विगत बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में संचालित सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि सर्वेक्षण कार्य की प्रगति अपेक्षित स्तर के अनुरूप नहीं है। इस पर जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा असंतोष व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।



बैठक में सभी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने प्रखण्ड अंतर्गत सभी महादलित टोलों में संबंधित विकास मित्र के साथ नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण सुनिश्चित करें। भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, आई॰सी॰डी॰एस॰ योजनाओं का क्रियान्वयन, स्वच्छता की स्थिति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ, तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए। इसके अतिरिक्त, सभी संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी विहित प्रपत्र में संकलित करने का निर्देश दिया गया, ताकि जमीनी स्तर की वास्तविक स्थिति का समुचित आकलन किया जा सके और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि सर्वेक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। सभी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी आगामी एक सप्ताह के भीतर संकलित प्रतिवेदन जिला कल्याण कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि कार्य में लापरवाही अथवा विलंब के लिए संबंधित पदाधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी।

रजौली चेक पोस्ट पर स्कॉर्पियो से शराब तस्कर गिरफ्तार, शराब जब्त

केटी न्यूज /नवादा

शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से रजौली स्थित समेकित जांच चौकी पर बुधवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान झारखंड की ओर से आने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की बारीकी से तलाशी ली जा रही थी। जांच के क्रम में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी, जब एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो (रेजि. नंबर खल05उव/6778) से छह लोगों को विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान उक्त वाहन को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 750 एमएल की एक बोतल तथा 250 एमएल की एक अन्य विदेशी शराब



बरामद की गई। कुल मिलाकर लगभग 1 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई है। इसके साथ ही स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया गया। इस कार्रवाई में गिरफ्तार सुमित पासवान उर्फ ड्राइवर (25 वर्ष), पिता संतोष पासवान, निवासी सात-नाला रोड चोली, चक्रधरपुर, जिला पश्चिमी सिंहभूम (झारखंड),अनिल पंडित (27 वर्ष), पिता सुरेश पंडित, निवासी टोकलो रोड, वार्ड संख्या 08, चक्रधरपुर,चंदन यादव (28 वर्ष), पिता सिकंदर यादव, निवासी चंद्रमारी, वार्ड संख्या 08, चक्रधरपुर,संतोष नाग (35 वर्ष), पिता सोमा नाग, निवासी न्यू कॉलोनी, चक्रधरपुर। भोला साव (22 वर्ष), पिता कुमार साव, निवासी न्यू कॉलोनी, चंद्रमारी, चक्रधरपुर, मिथिलेश यादव (35 वर्ष), पिता मनोहर यादव, निवासी सीताराम पथ, वार्ड संख्या 08, चक्रधरपुर,सभी आरोपी झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शराबबंदी कानून के उल्लंघन के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। समेकित जांच चौकी पर चौबीसों घंटे सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अवैध शराब के परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।